SAMPARK
Image Management Consultants

Sampark PR Media Resource Service

Date 5/2/11
Publication Amar Ujala
Edition/ City New delhi
Page 10

विकसित देशों को खरी खोटी सुनाई फारूक ने

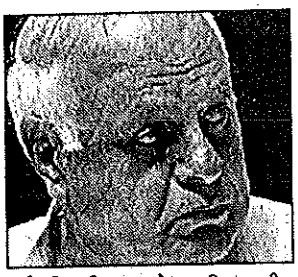

नई दिल्ली (ब्यूरो)। विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने की ग्रीन प्रौद्योगिकी देने से ना-नुकुर करने वाले अमीर देशों को केंद्रीय अक्षय ऊर्जा मंत्री फारूक अब्दुल्ला ने जमकर खरी खोटी सुनाई है। यहां 'दिल्ली सतत विकास शिखर सम्मेलन-2011' में उन्होंने कहा कि जब तक अमीर देश इस दिशा में कदम नहीं उठाते, तब तक इस तरह के सम्मेलन करना समय बर्बाद करने जैसा ही है।

अपनी बेबाक टिप्पणी के लिए मशहूर फारूक ने सम्मेलन के दूसरे दिन शुक्रवार को कहा कि यदि हम अपनी भावी पीढ़ी के भविष्य के लिए चिंतित हैं तो पूरी दुनिया को मिलकर काम करना होगा। इसके लिए अमीर देशों को ग्रीन प्रौद्योगिकी के स्थानांतरण में लगे अवरोध खत्म करने चाहिए। भारत की स्थिति का खुलासा करते हुए उन्होंने कहा कि यहां आज भी 40 फीसदी आबादी ने बिजली के बल्ब नहीं देखे हैं। हमारे बच्चे कंप्यूटर व मोबाइल चला सकें, इसके लिए बिजली चाहिए। रोजगार के लिए उद्योग और उद्योगों के लिए भी बिजली चाहिए। हम विकास नहीं करेंगे तो जिंदा नहीं बचेंगे। हम सब्सिडी भी खत्म नहीं कर सकते, लेकिन हमारे जंगल खत्म हो रहे हैं। पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। इसलिए हमें ग्रीन प्रौद्योगिकी चाहिए। जब फारूक बोल रहे थे तो सम्मेलन में अमेरिका व यूरोप समेत कई विकसित देशों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। फारूक की इस खरी खोटी को प्रतिनिधियों ने भी खूब सराहा। सम्मेलन के दूसरे दिन भी सतत विकास, जलवायु परिवर्तन के खतरे और उनसे निपटने के उपायों पर चर्चा हुई।